भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 670

24/07/2026 को उत्तरार्थ

विषयः- आंध्र प्रदेश में तोतापुरी आम की कीमतों में गिरावट

670 श्री एस. निरंजन रेड्डी:

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने आंध्र प्रदेश में तोतापुरी आम की कीमतों में हाल ही में आई गिरावट के कारणों का आकलन किया है;

(ख) क्या यह गिरावट, प्रसंस्करण उद्योग की मांग, निर्यात में कमी, मांग-आपूर्ति में असंतुलन, बाजार में एकाधिकार या अपर्याप्त मूल्य संवर्धन से जुड़ी है;

(ग) कीमतों में गिरावट से प्रभावित तोतापुरी आम उत्पादकों की अनुमानित संख्या कितनी है;

(घ) क्या फार्म गेट कीमतें, खेती की लागत से नीचे चली गई हैं; और

(ङ) किसानों को मजबूरी में कम कीमत पर फसल बेचने से बचाने के लिए किन तत्काल उपायों पर विचार किया जा रहा है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) एवं (ख): आंध्र प्रदेश सरकार ने बताया है कि राज्य में तोतापुरी आम की कीमतों में गिरावट के निम्न कारण हैं: पल्प उद्योगों में खरीद में कमी, पल्प स्टॉक का जमा होना, निर्यात में बाधाएं, जल्दी खराब होने की प्रकृति और तोतापुरी आम से वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट बनाने के लिए पर्याप्त विकल्पों का न होना।

(ग): आंध्र प्रदेश सरकार के अनुसार चालू सीजन में लगभग तोतापुरी आम का उत्पादन करने वाले 40,795 किसान कीमतों में गिरावट के कारण प्रभावित हुए हैं।

(घ): जून 2026 की स्थिति के अनुसार आंध्र प्रदेश में तोतापुरी आम की मॉडल कीमत 11.14 रुपये प्रति किलोग्राम है। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, चालू सीजन में तोतापुरी आम की खेती की अनुमानित लागत 17.47 रुपये प्रति किलोग्राम है।

(ङ): किसानों को मजबूरीवश बिक्री करने से बचाने के लिए, प्रधान मंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) की बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) के तहत, भारत सरकार ने 2026-27 के विपणन सत्र के लिए 1,747 रुपये प्रति क्विंटल के बाजार हस्तक्षेप मूल्य पर आंध्र प्रदेश में तोतापुरी आम की किस्म के 2,16,250 मीट्रिक टन (अर्थात राज्य में तोतापुरी आम के कुल उत्पादन का 25%) की खरीद को मंजूरी दी है।

इसके अलावा, राज्य सरकार तोतापुरी आम किसानों के हित में, रायथु सेवा केंद्रों के माध्यम से उन्हें पूरी तरह से पके हुए आमों की ही कटाई करने और उन्हें योजनाबद्ध और चरणबद्ध तरीके से प्रसंस्करण इकाइयों तक पहुंचाने के लिए उनका मार्गदर्शन कर रही है। राज्य सरकार किसानों को फ्रूट कवर भी वितरित कर रही है ताकि फल खाने योग्य किस्मों के मानकों को पूरा कर सकें और बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त कर सकें।

*****